सामाजिक समाचार

श्री प्रहलाद सहाय शर्मा (जांगिड) महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित

अ.भा.जां.ब्रा. महासभा दिल्ली के महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष पद हेतु 19 नवम्बर, 2017 को हुए चुनाव में श्री दुर्गा राम जांगिड को 1300 मत प्राप्त हुए वहीं श्री प्रहलाद सहाय शर्मा जांगिड को 1564 मत प्राप्त हुए और इस प्रकार श्री प्रहलाद सहाय शर्मा 264 मतों से निर्वाचित घोषित किए गए। चुनाव अधिकारी श्री बजरंग लाल जांगिड (रायपुर-छत्तीसगढ़) तथा श्री धर्मचन्द जी (जगदालपुर-छत्तीसगढ़) थे। महाराष्ट्र में कुल मतदाता 4953 हैं, जिसमें 2929 मतदाताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया। इस प्रकार 59.14 प्रतिशत मत पड़े और श्री प्रहलाद सहाय शर्मा 264 मतों से महाराष्ट्र के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए।

श्री प्रहलाद सहाय शर्मा का जन्म 3 जून, 1955 में अनतपुरा पो. मंडाभीम सिंह, तह. फुलेरा, जिला जयपुर में हुआ। इन्होंने सीनियर हायर सैकण्डरी परीक्षा पास की तथा वर्तमान में आप शांति ट्रेडर्स, श्री दत्त कॉम्पलेक्स, डी.पी. रोड़, चिरवली, जिला-बुलढाणा (महाराष्ट्र) में निवास करते हैं। आप 2007 से 2013 तक बुलढाणा के जिलाध्यक्ष पद को भी सुशोभित कर चुके हैं। आप महासभा दिल्ली में पूर्व उपप्रधान के पद पर भी सुशोभित रहे हैं। सम्पर्क सूत्र : 9822722931

श्री लखन शर्मा प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान निर्वाचित

19 नवम्बर, 2017 को राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। मतदान में श्री लखन शर्मा जयपुर 2327 मतों से विजयी घोषित हुए। चुनाव मैदान में दो प्रत्याशियों के रूप में श्री खेमचन्द जांगिड अलवर एवं श्री लखन शर्मा जयपुर थे, जिनमें श्री खेमचन्द जांगिड को 4080 मत मिले वहीं लखन शर्मा को 6407 मत प्राप्त हुए। 19 नवम्बर, 2017 को शाम को चुनाव के परिणाम की घोषणा के साथ ही चुनावी टीम के चुनाव प्रभारी श्री प्रवीण शर्मा व श्री नन्द किशोर शर्मा नीमच द्वारा श्री लखन शर्मा को विद्याधर नगर जयपुर स्थित प्रदेश भवन में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई तथा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

पूरे प्रदेश में मतदान केन्द्र बनाए गए, जिनमें जयपुर जिले में 8 बूथ, टोंक, कोटा, बांरा, बून्दी, झालावाड़ सभी जगह 1-1 बूथ, अजमेर जिले में (अजमेर-ब्यावर) 2 बूथ, अलबर जिले में 5 बूथ (तीन अलवर, एक-बानसूर, एक-बहरोड़) बनाए गए थे। वहीं भरतपुर, सवाईमाधोपुर, हिण्डोन-करोली, दौसा, चितौड़, उदयपुर-राजसमन्द, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, सायला-जालोर-सिरोही, बाड़मेर जिले में बाड़मेर-जैसलमेर, बालोतरा-बाड़मेर दो बूथ तथा जोधपुर, पाली, कुचामन-नागौर, बीकानेर-हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, झुंझुनुं, चुरू, सीकर में 3 बूथ, सीकर-1 बूथ, श्री माधोपुर एवं खण्डेला आदि थे। महासभा की 41 संस्थाएं भी रजिस्टर्ड हैं।

चुनाव परिणाम एक नज़र में :-

कुल मतदाता 18925, जिसमें 10555 मत पड़े, जिनका प्रतिशत 55.81% रहा। 66% पोलिंग कुल मिलाकर राजस्थान में हुआ। केवल 2 मत रिजेक्ट हुए। खेमचन्द जी 4080, लखन शर्मा को 6407 मत मिले इस प्रकार 2327 मतों से लखन शर्मा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष बने।

सबसे अधिक मतदान : डूंगरपुर 94.49%, ब्यावर में 84.91% तथा फुलेरा में 78.43% हुआ।

सबसे कम मतदान : जोधपुर 30.79%, टोंक 33.50% तथा स.माधोपुर 37.50% हुआ।

लखन शर्मा को सबसे अधिक बांसवाड़ा में 99.09%, डूंगरपुर 99.09% तथा बीकानेर में 96.35% अधिकतम रहा।

वहीं सबसे कम प्रतिशत लखन शर्मा को अलवर में 23.23%, अलवर में 30.04% तथा अलवर-2 में 30.92% तीनों बूथ में रहा।

खेमचन्द जी को सबसे अधिक अलवर-1 में 76.28%, अलवर-3में 69.73% तथा अलवर-2 में 68.55% अधिकतम रहा।

वहीं सबसे कम बांसवाड़ा में 0.75%, डूंगरपुर 0.91% तथा बीकानेर में 3.65% रहा।

जां.ब्रा. सामाजिक विकास एवं सेवा समिति मण्डावरी (लालसोट) द्वारा आयोजित प्रथम आदर्श सामूहिक सम्मेलन में 23 युगल परिणय सूत्र में बंधे

22, 23 नवम्बर, 2017 को माध्यमिक आदर्श विद्या मन्दिर व चौधरी धर्मशाला मण्डावरी तह. लालसोट जिला दौसा में प्रथम आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन जोकि अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण समाज जिला दौसा (राज.) तह. लालसोट एवं तह. रामगढ़ पचवारा के तत्वावधान में ''जांगिड ब्राह्मण सामाजिक विकास एवं सेवा समिति मण्डावरी'' द्वारा आयोजित सामूहिक सम्मेलन में 23 युगल परिणय सूत्र में बंधे।

22 नवम्बर, 2017 को कलश यात्रा, गणेश पूजन, ध्वज पूजन, वर-वधु आगमन, थाम स्थापना, मायरा (भात), सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

23 नवम्बर, 2017 को प्रात: विश्वकर्मा पूजन किया गया तथा बैण्ड-बाजों के साथ वर पक्षों की सामूहिक निकासी निकाली गई। सामूहिक रूप से सभी वर पक्ष द्वारा तौरण तथा वरमाला की रस्म अदा की गई। विद्वान पण्डितों द्वारा वैदिक मंत्रोचार द्वारा सभी वर-वधुओं का पाणिग्रहण संस्कार करवाया गया।

सामाजिक सम्मेलन हुआ जिसकी अध्यक्षता डॉ. मुकेश समलेटी जिलाध्यक्ष दौसा तथा सामाजिक सम्मेलन के मुख्य अतिथियों में श्री कान्ति प्रसाद टाईगर पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान एवं उपप्रधान महासभ श्री सीताराम जांगिड पूर्व जिला प्रमुख करौली, श्री लखन शर्मा नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान, श्री परसादी लाल मीणा पूर्व मंत्री, श्री विरेन्द्र मीणा पूर्व मंत्री, सेवानिवृत प्रशासनिक अधिकारी (आई.ए.एस.), श्रीमती जसकौर मीणा, श्री बृजमोहन मीणा से.नि. (आई.ए.एस.) श्री बृजमोहन मीणा, सेवा निवृत पुलिस अधिकारी (IPS) श्री हण्डीराम मीणा, प्रधान रामकली मीणा, चन्द्र

शेखर जांगिड पार्षद लालसोट।

इस अवसर पर दौसा, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर, टोंक सहित कई जिलों से सैंकड़ों समाज बन्धुओं ने सम्मेलन में शिरकत की।

वक्ताओं ने मंच के माध्यम से अपने विचारों से सामूहिक विवाह सम्मेलन के माध्यम से ही समाज में व्याप्त दहेज प्रथा, बाल विवाह जैसी कुरुतियों को दूर कर रचनात्मक क्रान्ति पैदा की जा सकती है। समाज में सामाजिक समरसता का माहौल बनता है।

समिति अध्यक्ष श्री मोहनलाल चतेरा, सम्मेलन प्रभारी प्रहलाद नारायण, सम्मेलन अध्यक्ष श्री मोहनलाल राजोरिया, महामंत्री श्री घनश्याम रावत, मंत्री श्री मोहनलाल जांगिड, कोषाध्यक्ष श्री चिमनलाल जांगिड, संगठन मंत्री श्री जुगल किशोर जांगिड, सुनील जांगिड सहित समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने विचार रखे एवं नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर समाज के प्रबुद्धगणों में छोटे लाल प्रहलादपुरा, पप्पू देशमा, श्री मूलचन्द भारतीय पूर्व जिलाध्यक्ष करौली, हरिराम राजोरिया तह. अध्यक्ष बसवा, श्री बाबूलाल जांगिड जिलाध्यक्ष टोंक, श्री बाबूलाल जांगिड तह. अध्यक्ष चाकसू, श्री लल्लूलाल सेदरिया पूर्व तह. अध्यक्ष निवाई, श्री रामेश्वर प्रसाद जांगिड (मांगरोल) अध्यक्ष जांगिड समाज हस्तकला सेवा समिति राज. जयपुर, श्री लल्लूराम जांगिड तह. अध्यक्ष जमवारामगढ़, श्री लल्लू प्रसाद अलूडिया (लालसोट), दौसा से श्री रामकिशोर रावत, श्री लक्ष्मीनारायण रावत, श्री रामकिशोर रेन्जर, श्री हजारी लाल खान भांकरी, श्री महेन्द्र रावत, सुरेश एवं मुकेश कैमरी (दिल्ली), श्री राधेश्याम जांगिड संगठन मंत्री प्रदेश सभा, श्री सुरेश जांगिड शाखा सभा अध्यक्ष तारों की कूंट जयपुर, श्री जगदीश तह. अध्यक्ष रामगढ़, छोटे लाल जांगिड पूर्व सरपंच लालपुरा, हनुमान कोलाया कार्यकारी अध्यक्ष जिला सभा जयपुर, श्री छोटेलाल जांगिड प्रहलादपुरा, शंकर लाल जांगिड आयुषी विद्यामन्दिर जयपुर, श्री कमलेश जांगिड अध्यक्ष व श्री राजेश जांगिड पूर्व अध्यक्ष रामपुरा रोड़ सांगानेर जयपुर

आई.पी.एस. सांगाराम जांगिड पर बनी फिल्म

बाड़मेर निवासी आई.पी.एस. सांगाराम जांगिड जो वर्तमान में डी.जी.पी. चैन्नई हैं। बावरिया गैंग के खात्मे पर ''डीरन'' फिल्म बनी, जो 17 नवम्बर, 2017 को तमिलनाडु में रिलीज हो गई है, इसी दिन तेलगू संस्करण आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में भी जारी किया गया। हिन्दी संस्कार (डबिंग) भी शीघ्र ही तैयार हो रहा है, जिसका नाम अलग होगा। इस फिल्म का अधिकांश फिल्मांकन आई.पी.एस. जांगिड के पैतृक गाँव बाड़मेर और जैसलमेर में किया गया है।

इस फिल्म में श्री सांगराम जांगिड की भूमिका को लेकर तमिल फिल्म ''डीरन'' बनाई गई है।

बावरिया गैंग एक दशक 1995-2005 तक दहशत का दूसरा नाम बन गई थी। इसके राष्ट्रीय राज्यमार्गों पर लूट, हत्याओं के कई मामले सामने आए थे। इसके बाद सांगाराम जांगिड के नेतृत्व में आई.जी. नॉर्थ जोन ने पांच राज्य राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली व उत्तरप्रदेश में ऑपरेशन शुरू किया तथा मेरठ के बाहरी इलाके में मुठभेड में कुख्यात अपराधियों को ढेर कर दिया था। इस ऑपरेशन का नेतृत्व सांगाराम जांगिड द्वारा किया गया था। इस गैंग के खात्मे पर आई.पी.एस. श्री जांगिड को ''शौर्य पदक'' से सम्मानित किया गया था।

अ.भा. बढई महासभा अपनी मांगों के लिए सभी जिलों में करेगी प्रदर्शन

अ.भा. बढई महासभा अपनी मांगों के समर्थन में सभी (यू.पी.) जिला मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन करने का सर्व सम्मति से निर्णय लिया है। बढई सभा की मांग है कि बढई जाति को अनुसूचित जाति में शामिल करें। आरा मशीनें बढई जाति के लिए लाईसेंस फ्री करें। फर्नीचर के सरकारी कार्य में 75 फीसदी हिस्सेदारी मिले।

अ.भा. बढई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विश्राम शर्मा ने बताया कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व न होने के कारण बढई जाति की समस्याओं को विधान सभा, लोकसभा में नहीं उठाया जाता है, जिससे बहुसंख्यक बढई जाति उपेक्षित रही है। उपरोक्त मांगों के साथ 21 सूत्रीय मांगों को लेकर सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में धरना प्रदर्शन अनवरत जारी रहेगा।

अ.भा.जां.ब्रा. जिला सभा करौली व सवाई माधोपुर द्वारा सामूहिक विवाह के सभी जोड़ों को 11 हजार 111 रु. की एफ.डी. दी

अखिल भारतीय जां.ब्रा. जिला सभा करौली व सवाई माधोपुर के तत्वावधान में 31 अक्टूबर, 2017 को आयोजित प्रथम आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन के सभी 31 जोड़ों को 11 हजार 111 रु. की एफ.डी. प्रदान की। संयोजक श्री सियाराम जांगिड व अध्यक्ष बसंता लाल जांगिड ने बताया कि सम्मेलन में दानदाताओं के सहयोग से मिली राशि ज्यादा थी, इसलिए कमेटी ने निर्णय लिया गया कि 20 नवम्बर को प्रत्येक जोड़ों को उपरोक्त राशि की एफ.डी. प्रदान की।यह राशि प्रधान गायत्री मीणा के हाथों प्रदान की।

भगवान विराट श्री विश्वकर्मा वंशज समाज विकासमंथन पंचान्हिका 5 दिवसीय साधु सन्त सम्मेलन डाकोर में सम्पन्न

9 नवम्बर, 2017 को श्री विश्वकर्मा ज्ञान सत्संग समिति गुजरात के तत्वावधान में श्री विश्वकर्मा मन्दिर डाकोर द्वारा आयोजित भगवान विराट श्री विश्वकर्मा वंशज समाज विकास मंथन पंचान्हिका का साधु संत सम्मेलन में देश व प्रदेश के विश्वकर्मा वंशज के संत, महंत, विचारकों, कथाकारों, शिक्षाविदों एवं समाज सेवकों, गुजरात के सुप्रसिद्ध यात्रा धाम डाकोर की पवित्र पावन भूमि पर स्थित एक 102 वर्ष पुराना भगवान विराट विश्वकर्मा मन्दिर में विश्वकर्मा वंश की अस्मिता विश्वकर्मा की महिमागान से धर्म जागरण और धर्म की सच्ची समाज के उत्थान और सांस्कृतिक परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए गए प्रयास प्रंशसनीय रहे। पंचान्हिका महोत्सव के दिशा सूचक विश्वकर्मा वंशज के सन्त-महंतों में प्रमुख स्वामी श्री शिवात्मानन्द परमानन्द सरस्वती चिक्कबल्लापुर (कर्नाटक), श्री राम कथा व्यास श्री भगवान चैतन्य बापू उज्जैन (म.प्र.), संत श्री अमरदास बापू विश्वकर्माचार्य पालनपुर (गुजरात), स्वामी श्रीनित्यानन्द जी अहमदाबाद (गुजरात), विश्वकर्माचार्य श्री जगदीश गुरुजी उज्जैन (म.प्र.), श्री रितानन्द सरस्वती क्षुकताल (उत्तराखण्ड), श्री श्री 1008 दामोदर दास जी महाराज माउण्ट आबू,

विश्वकर्माचार्य श्री अभयदास जी महाराज (जयपुर) सहित अनेक साधु-संत, विद्वजन, समाज सेवी का जमावड़ा था।

म.प्र. से अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तथा विश्वकर्मा एकीकरण अभियान के राष्ट्रीय संचालक एवं मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ राज्य प्रभारी वरिष्ठ समाज सेवी श्री वी.के. विश्वकर्मा ''पांचाल रत्न'', भोपाल के मार्ग दर्शन और प्रदेश महामंत्री तथा म.प्र. प्रभारी श्री रमेश विश्वकर्मा (नेताजी) के नेतृत्व में विश्वकर्मा पांचाल जांगिड महासभा के प्रदेश अध्यक्ष व सुप्रसिद्ध वास्तु सलाहकार शरद शर्मा, प्रांतीय विश्वकर्मा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष, रामजतन विश्वकर्मा (वरिष्ठ समाज सेवी), पांचाल समाज के वरिष्ठ समाज सेवी एवं पूर्व पार्षद सुरेश पांचाल एवं हरेन्द्र पांचाल, श्री जगदीश प्रसाद शर्मा भोपाल, श्रीप्रमोद धीमान, श्री शिव कुमार आर्य हरियाणा, श्री अजेय कुमार भारद्वाज गाजियाबाद, श्री राजकुमार शर्मा, श्री नेमीचन्द जांगिड गांधीधाम, श्री राज जांगिड फिल्म अभिनेता सहित लगभग सभी राज्यों से एवं शहरों से भक्त, संत-महात्मा और समाज सेवी पधारे। सभी पधारे संतों का रमेश भाई गज्जर द्वारा किया गया। सभी समाज सेवियों का शॉल प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा श्री भरत भाई और चन्दवन मिस्त्री ने समाज उपयोगी व्यक्तव्य थे।

5 नवम्बर, 2017 की शाम को संत और मेहमानों का स्वागत किया और शोभा यात्रा निकाली गई। घोड़ा-बग्गी में स्वामी-संतों का स्वागत करते हुए जुलुस निकाला गया। 6, 7 और 8 नवम्बर श्री रामचरित मानस राम कथा का रसपान हुआ तथा सभी विश्वकर्मा संतों द्वारा अपने विचार समाज के अमृतवाणी के रूप में सभी के समक्ष रखे। रात्रि सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा 9 नवम्बर, 2017 को प्रात:पंचान्हिका महोत्सवका समापन हुआ।

राष्ट्रीय संत दंडी स्वामी श्री शिवात्मनंद जी पीठाधीश्वर आश्रम बैंग्लोर ने म.प्र. के राष्ट्रीय संत श्री चैतन्य भगवान शरणबापू जी अमर शांतिआश्रम उज्जैन एवं संत विश्वकर्माचार्य श्री जगदीश गुरु जी विश्वकर्मा अवंतिका पीठ उज्जैन को विश्वकर्मा ध्वज प्रदान की। म.प्र. में भगवान विश्वकर्मा जी की महिमा विश्वकर्मा वंश का इतिहास एवं परम्पराओं को जन-जन तक पहुँचाना एवं विश्वकर्मा वंशजों को एकता के सूत्र में पिरोकर समाज की पताका को विश्व पटल पर लाने के लिए कमान सौंप कर आगाज़ किया। गुजरात में धर्म प्रचार की बागड़ोर अमरदास बापू और दिव्यानन्द को ध्वजा सौंपी तथा राजस्थान की जिम्मेदारी श्री अभयदास जी महाराज जयपुर को सौंपी।

यह निर्णय प्रमुखता से लिया गया कि आजकल गैर विश्वकर्मा समाज के संतों, लेखकों, साहित्यकारों द्वारा हमारे साहित्य को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें हमारे मूल साहित्यों, पुराणों में वर्णित तथा इनके साहित्यों में काफी भिन्नता देखने को मिलती है। इस हेतु विश्वकर्मा ब्राह्मण साधु संत समाज ऐसे अन्य समाज के लेखकों, इतिहासकारों से निवेदन करता है कि जो भी लेख लिखें पहले विश्वकर्मा ब्राह्मण साधु संत समाज से सलाह-मश्वरा करके एवं अनुमति लेकर ही लिखें, उसके बाद ही प्रकाशित करें, अन्यथा विश्वकर्मा ब्राह्मण समाज के हितों के विरुद्ध जो भी लेख, पुराण, गलत साहित्य प्रकाशित किया जाएगा तो उन लोगों को न्यायालयीन प्रक्रिया से गुजरना होगा।

सम्मेलन में भव्य एवं विशाल पैमाने पर तैयारी की गई थी। निवास एवं भोजन की सुन्दर व्यवस्था की गई। किसी भी समाज बन्धु को कोई परेशानी न हो उसका ख्याल रखते हुए विशेष प्रबन्ध किए गए।

विश्वकर्मा जांगिड समाज विकास सेवा समिति देवीनगर द्वारा आयोजित मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा समारोह सम्पन्न

3 दिसम्बर, 2017 को विश्वकर्मा जांगिड समाज विकास सेवा समिति देवी नगर, न्यू सांगानेर रोड़, जयपुर स्थित विश्वकर्मा भवन प्रांगण में मन्दिर में भगवान विश्वकर्मा जी, राम दरबार, राधा कृष्ण, दुर्गामाता जी की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा विधि-विधान से वैदिक मंत्रोचार द्वारा हुई एवं यह संत श्री श्री 1008 काशीपुरी महाराज, गुल्लर धाम के सान्निध्य में पीठाधीश श्री बजरंगपुरी जी महाराज के द्वारा करवाई गई। 2 दिसम्बर, 2017 को प्रात: 10 बजे विश्वकर्मा मन्दिर कटेवा नगर से सैंकड़ों महिलाओं द्वारा बैण्ड बाजे, झांकियों के साथ कलश यात्रा निकाली गई जोकि देवी नगर मन्दिर तक पहुँची। 12.15 बजे विनायक स्थापना, देव मण्डल पूजा सायं 4.15 बजे, सायं 6 बजे प्रसादी का आयोजन रखा गया तथा सायं 7 बजे से भामाशाह एवं अतिथियों का सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। श्री श्री 1008 श्री बजरंगपुरी जी महाराज के सान्निध्य में समारोह प्रारम्भ हुआ। जिसके मुख्य अतिथि श्री दिनेश जांगिड (सारंग) आई.आर.एस. जो वर्तमान में उपायुक्त जी.एस.टी. एवं कस्टम विभाग अहमदाबाद में सेवारत हैं। विशिष्ठ अतिथियों में श्री लखन शर्मा नव निर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान, श्री आर.सी. शर्मा 'गोपाल' पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान, श्री बी.सी. शर्मा वरिष्ठ उपप्रधान महासभा, श्री कैलाश शर्मा (साली वाले) महामंत्री प्रदेश सभा राज., श्री घनश्याम पंवार जिलाध्यक्ष जयपुर, एडवोकेट बी.सी. रावत, श्री एम.एल. जांगिड (से.नि. आर.ए.एस.), श्री राज जांगिड फिल्म अभिनेता, डॉ. रामबाबू शर्मा (सीनियर प्रोफेसर एस.एम.एस. एवं यूनिट हैड जे.के. लोन अस्पताल), श्री हरिशंकर जांगिड पूर्व जिलाध्यक्ष जयपुर, श्री हरिनारायण जांगिड अध्यक्ष जांगिड हस्तकला सेवा समिति गुर्जर की थड़ी, श्री प्रहलादराय जांगिड पूर्व अध्यक्ष जां. हस्तकला सेवा समिति गुर्जर की थड़ी, डॉ. श्री निवास जांगिड पिंक विनायक हॉस्पिटल, श्री भंवरलाल जांगिड रावतसर, एडवोकेट सत्यनारायण, श्री अजित जांगिड अधीक्षण अभियन्ता (पी.डब्ल्यू.डी.), श्री रामकुमार माण्डण, श्री कालू लाल सुथार, श्री पुखराज (एएओ पी.डब्ल्यू.डी.), श्री लक्ष्मीनारायण अध्यापक सुजानगढ़, श्री जगदीश प्रसाद जांगिड इन्कम टैक्स कमीश्नर, श्री आर.पी. शर्मा सम्पादक विश्वकर्मा टूडे जयपुर, श्री ओम प्रकाश लाडनू, श्री भागीरथमल जांगिड पूर्व सरपंच, श्री धन्नालाल जांगिड अध्यक्ष डी.सी.एम., श्री भैरूराम सूरत, श्री सत्यनारायण राजोतिया, ओमप्रकाश पाटोदिया रावतसर, नारायण अठवासिया सुजानगढ़, ईश्वरलाल देवानी, पूरणमल खारिया, झूमन मल, अजीत जांगिड लाडनू, जगदीश लुहारा, कुन्दर लाल बीदासर, महेन्द्र जांगिड मुम्बई, नन्दलाल माण्डण लाडनू, श्री पुरखाराम (शंकर

लाल खाती के पिताश्री), डॉ. नरेन्द्र जांगिड जे.के. लोन आदि मंचासीन हुए। महाराज श्री का माल्यार्पण, दुपट्टा, शॉल ओढाकर श्री लखन शर्मा एवं श्री घनश्याम पंवार द्वारा सम्मान किया गया। सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर, दुपट्टा पहनाकर, साफा पहनाकर एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर समिति के वर्तमान अध्यक्ष जुगल किशोर मीषण, अध्यक्ष श्रीहनुमान प्रसाद खिल्वाणिया, उपाध्यक्ष डालमचन्द धामू, सचिव-मांगीलाल बल्दवा, महासचिव-सोहनलाल दम्भीवाल, उपाध्यक्ष राधेश्याम राजोतिया, मंत्री-मूलचन्द खिल्वाणिया, मंत्री-शंकर लाल बरवाडिया, मंत्री-नोरंगलाल जाला, मंत्री-भागीरथ कालुनिया, नवरंगलाल लदौया, बजरंगलाल झिठावा, महेन्द्र कुमार, मनोज कुमार एवं पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया।

मंच संचालन श्री सोहनलाल दम्भीवाल तथा श्री हरिशंकर जांगिड द्वारा किया गया। इस अवसर पर महामंत्री सोहनलाल दम्भीवाल द्वारा विश्वकर्मा भवन एवं मन्दिर के लिए जनवरी 1999 में इसकी नींव रखी तब से वर्तमान निर्माण एवं मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा तक की जानकारी उपलब्ध करवाई तथा दानदाताओं व भामाशाओं के बारे में बताया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री दिनेश सारंग, श्री आर.सी. शर्मा 'गोपाल', श्री लखन शर्मा, श्री घनश्याम पंवार एवं अतिथियों द्वारा उद्बोधन हुआ, जिसमें समिति के पदाधिकारियों को इस उपलब्धि पर धन्यवाद दिया।

अन्त में अध्यक्ष श्री हनुमान प्रसाद द्वारा सभी अतिथियों एवं भामाशाहों व समाज बन्धुओं का आभार प्रकट किया।

3 दिसम्बर, 2017 को प्रात: 6 बजे झण्डारोहण कार्यक्रम हुआ। देव पूजन, हवन, पंचाभिषेक तथा नेत्रोनुमिलन का कार्यक्रम विधि-विधान से सम्पन्न हुआ और महाराज श्री बजरंगपुरी जी द्वारा मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा करवाई गई।

मालपुरा (टोंक) में सामूहिक विवाह सम्मेलन में जांगिड समाज के 31 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

4 दिसम्बर, 2017 को तह. सभा मालपुरा जांगिड ब्राह्मण मन्दिर विकास समिति एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के संयुक्त तत्वावधान में जांगिड ब्राह्मण समाज के 31 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।

3 दिसम्बर, 2017 को भगवान विश्वकर्मा जी की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा पं. सनातन शास्त्री कचनारिया वाले, सांगानेर के सान्निध्य में हुई।

कार्यक्रम निम्न प्रकार रहे:-

1 दिसम्बर, 2017 को मूर्ति विग्रह आगमन प्रात:, कलश यात्रा का भव्य कार्यक्रम, मण्डपादिन तथा स्नेह भोज का कार्यक्रम हुआ।

2 दिसम्बर, 2017 को हवन व यज्ञ (नित्यावर्चन) प्रात: हुआ, सायंकाल भजनसंध्या का कार्यक्रम हुआ।

3 दिसम्बर, 2017 को झण्डारोहण श्री दुर्गालाल रामअवतार पंवार मोरवाले (गोवा) द्वारा प्रात: हुआ। विश्वकर्मा जी की शोभा यात्रा बड़ी धूम-धाम से निकाली गई। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा विश्वकर्मा मन्दिर प्रांगण में हुई तथा महाआरती सामूहिक की गई। स्नेह भोज का अयोजन हुआ। भगवान श्री विश्वकर्मा मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के पुण्यार्थी श्री रामस्वरूप बैंवाल, सीतारामपुरा मालपुरा (टोंक) तथा भगवान श्री विश्वकर्मा मन्दिर एवं वेदी निर्माण के पुण्यार्थी श्री रूपचन्द धामा (ए.ई.एन. पी.एच.ई.डी.) मालपुरा रहे।

4 दिसम्बर, 2017 को द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें 31 जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार हुआ। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में सामूहिक विवाह का आयोजन हुआ। मंगल कलश, थाम स्थापना व यज्ञोपवित संस्कार, निकासी/शोभायात्रा (वर पक्ष) की बैंड-बाजों के साथ निकाली गई। गणेश पूजन, श्री विश्वकर्मा पूजन तथा झण्डारोहण का कार्यक्रम हुआ। वर द्वारा तौरण की रस्म व वर-वधु द्वारा वरमाला का कार्यक्रम हुआ तत्पश्चात् वर-वधु पाणिग्रहण संस्कार के लिए यज्ञ शाला में पहुँचे जहाँ वैदिक मंत्रोचार द्वारा उनका विवाह सम्पन्न करवाया गया।

सामाजिक सम्मेलन का आयोजन दोपहर में हुआ, जिसकी अध्यक्षता श्री बाबूलाल जांगिड देवड़ावास (जिलाध्यक्ष टोंक) द्वारा की गई। मुख्य अतिथि उप जिला प्रमुख अवधेश शर्मा तथा विशिष्ट अतिथियों में प्रधान सरोज चौधरी मालपुरा, चौथमल जी, श्री छोटैलाल प्रहलादपुरा, डॉ. के.जी. जांगिड भीलवाड़ा, श्री रामेश्वर प्रसाद जांगिड (मांगरोल) वर्तमान अध्यक्ष, श्री बृजमोहन जांगिड पूर्व अध्यक्ष, श्री सत्यनारायण पूर्व अध्यक्ष, श्री कन्हैयालाल, श्री गणेश नारायण, श्री रामदेव जी, श्री रमेश रजमाणा, श्री शंकर जी सभी जांगिड समाज हस्तकला सेवा समिति दुर्गापुरा, श्री भंवरलाल से.नि. एक्स.ई.एन. देवली, श्री मोहन जांगिड जगतपुरा, श्री लालचन्द जांगिड, श्री धर्मवीर जांगिड, श्री सुरेश गोगोरिया विश्वकर्मा जांगिड युवा शक्ति, श्री राजेन्द्र जांगिड जयपुर, मिस्ती जांगिड टोंक महिला जिलाध्यक्ष युवा शक्ति, नरेन्द्र जांगिड मिडिया प्रभारी झालावाड़ युवा शक्ति, दिनेश जांगिड बगरू जिलाउपाध्यक्ष युवा शक्ति, शंकर मंडोर, मुकेश जांगिड बगरू युवा शक्ति, धर्मेन्द्र दूदू, श्री रतनलाल हर्षवाल तह. अध्यक्ष दूदू, श्री हरिराम जांगिड दीप विश्वकर्मा आदि।

सभी अतिथियों का सम्मान अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जायलवाल, प्रधान घासीलाल तामडोलिया, मूर्ति भामाशाह रामस्वरूप बैंवाल, सम्मेलन संयोजक श्री पप्पूलाल सोलाणिया, संरक्षक श्री बजरंगलाल जांगिड (मलिकपुर), कोषाध्यक्ष श्री नाथूलाल धामा, महामंत्री नन्दकिशोर सोलाणिया, मन्दिर विकास समिति अध्यक्ष श्री कैलाश चन्द सीलक, रामनारायण जांगिड (ग्वाला) आदि द्वारा माल्यार्पण साफा एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।

अतिथियों द्वारा नव दम्पत्तियों के सुखमय जीवन की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया।

सामूहिक विवाह सम्मेलन के तहत पूर्व संध्या पर धर्मेन्द्र गावड़ी एण्ड पार्टी द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियाँ दीं।

इस अवसर पर मंच संचालन श्री सियाराम कुरथल युवा जिलाध्यक्ष टोंक द्वारा किया गया। हजारों की संख्या में महिलाएं व पुरुषों ने उपस्थिति देकर सम्मेलन को यादगार बनाया। महिलाओं की संख्या भी हजारों में रहीं।